हिन्दुस्तान नई दिल्ली, सोमवार, 7 मई, 2007

मोबाइल हैंडसेट बाजार में 43 फीसदी की वृद्धि

महेश शर्मा

नई दिल्ली। मोबाइल हैंडसेट बाजार में पिछले 3-4 वर्षों से जोरदार वृद्धि दर्ज की जा रही है, लेकिन गांवों में अभी भी इनकी काफी कमी महसूस की जा रही है। देश की 1.1 अरब से अधिक की आबादी में काफी कम लोगों के पास मोबाइल फोन हैं। आगामी दो-तीन वर्षों में इस क्षेत्र में करीब 43 प्रतिशत बढोत्तरी की उम्मीद की जा रही है।

इस क्षेत्र की इस वृद्धि दर को देखते हुए नये खिलाड़ी भी अपनी पैठ बनाने की जोरदार तैयारी में जुटे हैं। उपभोक्ताओं की मांग और जरूरत के हिसाब से नित नई-नई तकनीक और अत्याधुनिक सुविधा युक्त हैंडसेट बाजार में आ रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार अधिकतर लोग 8-10 माह में अपने हैंडसेट बदल कर अत्याधुनिक तकनीक एवं मनोरंजन वाले हैंडसेट खरीद रहे हैं।

दिल्ली व एनसीआर में बढ़ती मांग मोबाइट सैटों की

दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मोबाइल फोन की मांग में जोरदार वृद्धि हो रही है। इस क्षेत्र की बढ़ती मांग को देखते हुए हार्डवेयर क्षेत्र की प्रमुख कंपनी इंटेक्स टेक्नोलॉजी ने भी हैंडसेट बाजार में कदम बढ़ाये हैं। इंटेक्स टेक्नोलॉजी के कार्यकारी उपाध्यक्ष रमेश ए वासवानी ने हिन्दुस्तान को बताया कि मोबाइल हैंडसेटों की बढ़ती मांग को देखते हुए हमने भी इस क्षेत्र में पैर जमाने के उद्देश्य से शुरू में एंट्री लेबल के तीन मॉडल बाजार में हाल ही में उतारे हैं। कंपनी इनका निर्माण चीन की किसी प्रमुख कंपनी से करा रही है। इन्हें उपभोक्ताओं की मांग और जरूरत के आधार पर तैयार कराया गया है।

इंटेक्स ने इनमें प्री-लोडिड वाल्ड डिज्ने के कंटेंट्स को शामिल किया है। इस समय मोबाइल हैंडसेटों की बाजार मांग करीब 5 लाख प्रति माह है। उन्होंने बताया कि हम अगले दो-तीन माह में स्मार्ट हैंडसेट भी बाजार में उतारेगी, इसके लिए बाजार का अध्ययन किया जा रहा है। कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष में दो लाख मोबाइल हैंडसेटों की बिक्री का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि चालू वित्तीय वर्ष में कंपनी का कारोबार मार्केट (मोबाइल हैंडसेटों सहित) 450 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा। कंपनी ने मार्च 2007 को समाप्त वित्त वर्ष में 260 करोड़ रुपये का कारोबार किया।